लक्ष्मी ध्यान मंत्र

या सा पद्मासनस्था विपुलकटितटी पद्मपत्रायताक्ष

गम्भीरावर्तनाभिस्तनभरनमिता शुभ्रवस्त्रोत्तरीया ।

या लक्ष्मीर्दिव्यरूपैर्मणिगणखचितैः स्नापिता हेमकुम्भैः

सा नित्यं पद्महस्ता मम वसतु गृहे सर्वमांगल्ययुक्ता ॥

ॐ हिरण्यवर्णां हरिणीं सुवर्णरजतस्रजाम् ।

चंद्रांहिरण्मयीं लक्ष्मीं जातवेदोमआवह ॥

ॐ महा लक्ष्म्यै नमः ,ध्यानार्थे पुष्पाणि समर्पयामि ।

सौजन्य से :

दी मंदिर दर्शन (The Mandir Darshan)

यदि आप वैदिक ज्ञान, धार्मिक कथाएं, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल, तथा पर्व व उत्सव इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको मंदिर दर्शन संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं: